EDITOR'S SCATVIEW

Manoj Kumar Madhavan

The SCAT India TradeShow 2022 was a blockbuster event held under the NM India banner and after two years of pandemic. There was action and an eclectic buzz all across with a good turnout of delegates from across pan India over three days.

The Show saw the biggest of the brands and distributors - all networking with key customers. The exhibitors were thrilled at the opportunity of getting to meet their customers face to face at their favourite trade show – SCAT India TradeShow 2022. The show which has served as platform for the past 30 years, has acted as a catalyst to propel the market to usher in new technologies and motivate the market to spur investments.

The show featured trending conference sessions along with latest technology and product presentations. The Q&A sessions after each panel discussions displayed the depth of the market and the quality of delegates present.

The market is also moving phenomenally fast and the dynamics are unveiling at a rapid pace. Two key approvals streamlined the long-awaited regulatory approvals for the merger of Zee with Sony (now Culver Pictures).This will lead to a significant consolidation of the Broadcasting Industry into two very strong giants-Disney-Star and Zee-Sony. Media Veteran, Ashok Mansukhani has reiterated this point in his 'Media Beat' column in this issue and it would be good to see a similar consolidation happening in the Distribution Sector, which is currently highly fragmented, with over 1800 registered Multi System Operators and four functioning DTH networks.

In another development Govt has issued clear guidelines to state governments and central govt ministries to desist from broadcast distribution by Dec 2023. This will propel a wave of discontent across the board as many state governments are actively involved in broadcasting and distribution.

Govt has plans to simplify uplink and downlink guidelines and this will position India as a hub for uplinking by deregulating uplinking of satellite channels from the country.The deregulation of uplinking channels will help broadcasters from neighbouring countries like Nepal, Bangladesh, Bhutan, and Sri Lanka to uplink channels from India. India will become an uplinking hub if it is cost-competitive and satellite footprint covers a larger geography.

(Manoj Kumar Madhavan)

*स्कैट इंडिया ट्रेड शो **2022** एनएम इंडिया के बैनर तले और दो साल की महामारी के बाद आयोजित एक ब्लॉकबस्टर कार्यक्रम था। पूरे तीन दिनों में पूरे भारत से प्रतिनिधियों की अच्छी भीड़ के साथ–साथ कामकाज और उत्साह का माहौल था।*

*इस शो में सबसे बड़े ब्रांड और वितरक देखे गये – प्रमुख ग्राहकों के साथ सभी नेटवर्किंग और सभी प्रदर्शक अपने पसंदीदा ट्रेड शो–स्कैट ट्रेड शो **2022** में अपने ग्राहकों से आमने–सामने मिलने के अवसर से रोमांचित थे। पिछले **30** वर्षों से प्लेटफार्म के रूप में काम वाले इस शो ने बाजार को नयी तकनीकियों के लिए प्रेरित करने और और बाजार में निवेश बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य किया है।*

शो में नवीनतम तकनीक और उत्पाद प्रस्तुतियों के साथ ट्रेंडिंग कॉन्फ्रेंस और पैनल सत्र भी थे। प्रत्येक पैनल सत्र के बाद प्रश्नोत्तर सत्र ने बाजार की गहरायी और उपस्थित प्रतिनिधियों की गुणवत्ता को प्रदर्शित किया।

*बाजार भी अभूतपूर्व तेजी से आगे बढ़ रहा है और गतिशीलता तीव्र गति से अनावरण कर रही है। दो प्रमुख अनुमोदनों ने जी के सोनी (अब कल्चर पिक्चर्स) के साथ विलय के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित नियामक अनुमोदन को सुव्यवस्थित किया। इससे प्रसारण उद्योग को दो बहुत मजबूत दिग्गजों डिज्नी–स्टार और जी–सोनी में एक महत्वपूर्ण एकीकरण होगा। मीडिया के वरिष्ठ अशोक मनसुखानी ने इस अंक में अपनी **'मीडिया बीट'** कॉलम में इस बात को दोहराया है और वह वितरण क्षेत्र में एक समान समेकन देखना पसंद करेंगे, जो वर्तमान में अत्यधिक खंडित है और यहां तक कि **1800** से अधिक पंजीकृत मल्टी सिस्टम ऑपरेटरों के साथ और चार कार्यरत डीटीएच नेटवर्क, तक के लिए आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं है।*

*एक अन्य विकास में सरकार राज्य सरकार और केंद्र सरकार के मंत्रालयों को दिसंबर **2023** तक प्रसारण वितरण से दूर रहने के लिए स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी किये हैं। इससे कईयों में असंतोष की लहर फैल जायेगी, क्योंकि कई राज्य सरकारें प्रसारण और वितरण में सक्रिय रूप से शामिल हैं।*

सरकार की अपलिंकिंग व डाउनलिंकिंग दिशानिर्देशों को सरल बनाने की योजना है और यह भारत को देश से सैटेलाइट चैनलों के अपलिंकिंग को नियंत्रित करके अपलिंकिंग के लिए भारत को एक हब के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा। अपलिंकिंग चैनलों के नियंत्रण से नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों के प्रसारकों को भारत से चैनल को अपलिंक करने में मदद मिलेगी। भारत एक अपलिंकिंग हब बन जायेगा, बशर्ते कि यह लागत प्रतिस्पर्धी हो और सैटेलाइट फुटप्रिंट एक बड़े भूगोल को कवर करता है।

(Manoj Kumar Madhavan)